जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 135
दिनांक 30.08.2022

मानव जाति द्वारा प्रदूषण रूपी विष का पान हमारे वृक्ष करते हैं– कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन

धरती में हरी चादर फैलाने, वृक्षारोपण करने का पुनीत संदेश दिया

जनेकृविवि के छात्रावासों में हुआ वृहद वृक्षारोपण

जबलपुर 30 अगस्त। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि महाविद्यालय जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस , रघुनाथ शाह छात्रावास और इंदिरा गांधी कन्या छात्रावास में पौध रोपण कार्यक्रम के तहत, कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के मुख्यआतिथ्य में वहृद वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान कुलपति डॉ. बिसेन ने वृक्षारोपण करते हुये अपने उद्‌बोधन में कहा कि जनेकृविवि परिसर और कृषि महाविद्यालय परिसर न केवल संस्कारधानी शहर को अपितु पूरे प्रदेश को यह संदेश देता है कि, पौधरोपण का कार्यक्रम कितनी महत्ता रखता है। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुये गर्व हो रहा है कि विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 19641 वृक्ष लगे हुये हैं यह पुराना आंकड़ा है, वर्तमान में यह आंकड़ा लगभग 22 हजार पेड़ तक पहुंच चुका है, जो सतत् बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जबलपुर संस्कारधानी का विश्वविद्यालय परिसर ऑक्सीजन का टैंक है, जो शुद्ध ऑक्सीजन लोगों को प्रदान करता है। इस पृथ्वी पर अगर जीवन है, तो उसको बचाने वाला अगर कोई है तो वह वृक्ष है, जो जहर खुद पीता है, और अमृत सभी को प्रदान करता है। मानवजाति को जीवन देने का पुनीत कार्य इस पृथ्वी पर सिर्फ वृक्ष के कारण हैं। हमारे धर्म ग्रन्थों में पेड़–पौधों, नदियों को देव एवं माता का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने मानवजाति को संदेश दिया है कि वृक्ष ही सर्वोपरि है, जो हानिकारक गैसे कॉर्बनडाई–ऑक्साइड को लेकर जीवनदायिनी ऑक्सीजन को प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को प्रेरणा दी है कि, जहां भी जायें वहां पर वृक्षारोपण हेतु लोगों को जागरूक करें और उनको संरक्षण, संवर्धन हेतु प्रेरित करें। कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने छात्रावास परिसरों में अमलताश, गुलमोहर सहित अन्य वृक्षों का रोपण कर, धरती में हरी चादर फैलाने का पुनीत संदेश दिया।

कार्यक्रम के आयोजक व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए. के. सरावगी ने आभार प्रदर्शन करते हुये कहा कि वृक्षरोपण कार्यक्रम को आज के परिवेश में जनांदोलन बनाने की जरूरत है। जितनी ज्यादा हरियाली होगी, उतना ही अधिक स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण होगा। पेड़ो से हमें विभिन्न प्रकार के फलों व अन्य आवश्यक जड़ी, बूटियों की प्रचुरता प्रदान होती है, और वातावरण में नमी के स्तर को नियंत्रित करते हैं। मिट्‌टी के कटान को रोकने में भी सहायक हैं। पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान कुलपति डॉ. बिसेन की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षक एवं छात्र–छात्राओं ने संकल्प लिया कि वृक्षारोपण कार्य सतत् रूप से चलायेंगे एवं जनमानस को भी प्रेरित करेंगे। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान संचालक विस्तार सेवायें डॉ. जी. के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. शेखर सिंह बघेल, समस्त विभागाध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिकों के साथ छात्रावास अधीक्षक डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. सुभ्रता शर्मा, डॉ. रजनी तोमर, डॉ. रजनी शर्मा, कीर्ति तंतुवाय, डॉ. सी. एस. पांडे, डॉ. पवन अमृते, डॉ. आर. एस. मरावी,डॉ. योगेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।